सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 137 | सितम्बर : 2021

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- केवीआईसी द्वारा तीन देशों में खादी ट्रेडमार्क का पंजीकरण
- भारत ने भूटान में शुरू की भीम-यूपीआई सेवाएं
- रिजर्व बैंक ने गैर-अनुपालन के लिए 14 बैंकों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया
- गांधीनगर में रेलवे स्टेशन के ऊपर बनाया गया भारत का पहला 5 सितारा होटल

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- मंत्रिमण्डल में फेरबदल : 43 नेताओं ने ली मंत्री पद की शपथ
- महाराष्ट्र सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति–2021
- एशिया का सबसे लम्बा हाई-स्पीड ट्रैक का उद्घाटन
- उत्तर प्रदेश सरकार की नई जनसंख्या नीति
- जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के नाम में परिवर्तन किया गया

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- हेनरी पासपोर्ट इंडेक्स 2021 में भारत को 90वाँ स्थान
- महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर इस्तांबुल अभिसमय से बाहर हुआ तुर्की
- 7वीं हिन्द महासागर नौसैनिक संगोष्ठी का आयोजन
- डेनमार्क में बनाया गया दुनिया का सबसे ऊँचा रेत महल
- चीन का 'राष्ट्रीय कार्बन उत्सर्जन व्यापार बाजार'

29 खेल खिलाड़ी

- टोक्यो ओलम्पिक की रंगारंग ओपनिंग, एम.सी. मैरीकॉम और मनप्रीत सिंह बने ध्वजवाहक
- भारतीय महिला क्रिकेट टीम का इंगलैण्ड दौरा 2021 पूरा
- नोवाक जोकोविच ने विम्बलडन 2021 अपने नाम किया
- एफआईएच हॉकी पुरुष एवं महिला जूनियर विश्व कप 2023 की घोषणा

33 विज्ञान समाचार

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

37 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

40 **सामयिक लेख**–अंतरिक्ष संचार और इसका महत्व

41 **आजीविका लेख**–उत्तराखण्ड के पहाड़ी अंचल से पलायन की समस्या : कारण व निवारण

42 **प्रौद्योगिकी लेख**–ड्रोन : आधुनिक युग की तकनीक

44 **सागरीय संसाधन लेख**–ब्लू इकोनॉमी से आर्थिक विकास

46 **सागरीय पर्यावरण लेख**–प्लास्टिक प्रदूषण : समुद्री परितंत्र के लिए घातक

48 **आध्यात्मिक लेख**–'स्व' साम्राज्य के स्वामी बनने का संकल्प

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-134 का परिणाम**

82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

49 एस.एस.सी. द्वारा आयोजित स्टेनोग्राफर ग्रेड 'सी' व 'डी' परीक्षा, 2019

64 अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, 2021 कक्षा-VI

मॉडल हल

72 आगामी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा, 2021 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस	: 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

असफलता के सहारे सफलता के द्वार में प्रवेश कीजिए

जब आप किसी योजना पर काम शुरू कर दें, तो असफलता का डर न रखें और उसे अधूरा न छोड़ दें. पूरे मनोयोग से काम करने वाले व्यक्ति ही सर्वाधिक प्रसन्न रहते हैं.

–चाणक्य

मानव जीवन, पशु जगत् एवं प्रकृति में जितनी भी इकाइयाँ हैं, उनमें सदैव संघर्ष की स्थिति रहती है. प्रत्येक जाने-अनजाने में एक-दूसरे से आगे निकल जाने की प्रतिस्पर्द्धा में रहता है, जो विजयी हो जाता है उसका उल्लास में डूब जाना स्वाभाविक है, लेकिन जो पराजित होता है वह अपनी पराजय को स्वीकार कर हताश होकर बैठ जाता है वह पुरुषार्थी नहीं है. असली पुरुषार्थी तो वह है, जो पराजय से सीख लेकर फिर से उठ खड़ा होता है और शीर्ष पर पहुँचता है. यही कर्मयोग है. क्या यह कर्मयोग, निष्काम कर्म तथा जीवन-संघर्ष आदि के उन उपदेशों के समान नहीं हैं, जो जनार्दन भगवान् श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्-गीता के रूप में गाण्डीवधारी, सव्यसाची अर्जुन को दिए हैं, यथा–

''जय-पराजय को समान समझकर उसके उपरान्त युद्ध के लिए तैयार हो.''

उक्त प्रवृत्ति वाले व्यक्ति स्वभावज चुनौती स्वीकार करने वाले वीरों की कोटि में आते हैं. वे जय-पराजय को एक ओर रखकर पूरी सामर्थ्य के साथ कर्तव्यपालन में विश्वास रखते हैं. ऐसे ही कर्मठ योद्धाओं से प्रेरणा लेकर हमारे चिन्तक हमें निर्द्वन्द्व होकर संघर्ष करने की प्रेरणा प्रदान करते आए हैं.

"Our greatest glory consists not in never failing but in rising every time we fail." ***—Oliver Goldsmith***

अर्थात् हमारा महानतम् यश सदैव सफल होने में ही नहीं, अपितु प्रत्येक पतन के बाद उत्थान में है. मन्तव्य स्पष्ट है. Never say die–कभी मत कहो ''मर गए'' अथवा ''भाड़ में जाए ऐसा संघर्ष.''

गौरवमयी असफलता पर खुशी मनाने वाले वीर खिलाड़ी केवल खुशी मनाकर नहीं रह गए हैं उन्होंने अपनी टीम के छिद्रों का अध्ययन कर लिया है और आगामी प्रतिस्पर्द्धा में वे एक अधिक प्रशिक्षित एवं दृढ़ निश्चयी टीम के रूप में मैदान में उतरेंगे.

बाधाएं कब बाँध सकी हैं,
आगे बढ़ने वालों को।
विपदाएं कब रोक सकी हैं,
मरकर जीने वालों को।।